MATH LOVE INSTITUTE

कक्षा 7 हिंदी (वासंत भाग 2)

वार्षिक परीक्षा 2025-26 - प्रतिदर्श प्रश्न पत्र Set 3 (हल सहित)

अति महत्वपूर्ण प्रश्न | Highly Expected Questions

पूर्णांक	80
समय	3 घंटे
कक्षा	VII (सातवीं)
विषय	हिंदी (द्वितीय भाषा)

📋 सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र में **पांच खंड** हैं - क, ख, ग, घ और ङ।
2. **खंड क** में 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। (कुल 20 अंक)
3. **खंड ख** में 6 प्रश्न हैं, प्रत्येक 2 अंक का। (कुल 12 अंक)
4. **खंड ग** में 6 प्रश्न हैं, प्रत्येक 3 अंक का। (कुल 18 अंक)
5. **खंड घ** में 3 प्रश्न हैं, प्रत्येक 5 अंक का। (कुल 15 अंक)
6. **खंड ङ** में लेखन कौशल के 3 प्रश्न हैं। (कुल 15 अंक)
7. सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।
8. उत्तर साफ-सुथरी हस्तलिपि में लिखें।

© 2025 MATH LOVE INSTITUTE - SET 3 MOST EXPECTED

खंड क - बहुविकल्पीय प्रश्न (1 × 20 = 20 अंक)

प्रश्न 1. 'एक तिनका' कविता में कवि किस पर घमंड कर रहे थे? **[1]**

(क) अपनी संपत्ति पर

(ख) अपनी शक्ति और प्रसिद्धि पर

(ग) अपने परिवार पर

(घ) अपनी विद्वता पर

प्रश्न 2. 'खान-पान की बदलती तस्वीर' पाठ में किस खाद्य पदार्थ का सबसे पहले उल्लेख है? **[1]**

(क) चावल

(ख) गेहूँ

(ग) दाल

(घ) रोटी

प्रश्न 3. नीलकंठ को महादेवी वर्मा ने कहाँ से खरीदा था? **[1]**

(क) बाजार से

(ख) मेले से

(ग) चिड़ियाघर से

(घ) किसान से

प्रश्न 4. राधा (मोरनी) की मृत्यु किस कारण हुई? **[1]**

(क) बीमारी से

(ख) कुत्तों के हमले से

(ग) बुढ़ापे से

(घ) दुर्घटना से

प्रश्न 5. 'भोर और बरखा' कविता में कवयित्री किसकी प्रतीक्षा कर रही हैं? **[1]**

(क) सूर्य की

(ख) वर्षा की

(ग) कृष्ण की

(घ) संध्या की

प्रश्न 6. वीर कुँवर सिंह ने अपना घायल हाथ किस नदी में प्रवाहित किया? **[1]**

(क) यमुना

(ख) गंगा

(ग) सरस्वती

(घ) गोदावरी

MATH LOVE INSTITUTE
© 2025 - CONFIDENTIAL

प्रश्न 7. धनराज पिल्लै की माँ क्या काम करती थीं? **[1]**

(क) नौकरी

(ख) व्यापार

(ग) मजदूरी

(घ) शिक्षिका

प्रश्न 8. 'आश्रम का अनुमानित व्यय' पाठ में किस चीज का हिसाब-किताब है? **[1]**

(क) आश्रम के खर्चे का

(ख) आश्रम की आय का

(ग) आश्रम के निर्माण का

(घ) आश्रम के दान का

प्रश्न 9. 'बच्चों ने खेल खेला' - इस वाक्य में 'ने' चिह्न किस काल में प्रयुक्त होता है? **[1]**

(क) वर्तमान काल

(ख) भूतकाल

(ग) भविष्य काल

(घ) सभी काल में

प्रश्न 10. 'मैं स्कूल को जाता हूँ' - इस वाक्य में 'को' किस कारक का चिह्न है? **[1]**

(क) कर्म कारक

(ख) संप्रदान कारक

(ग) अधिकरण कारक

(घ) करण कारक

प्रश्न 11. 'छत से गिर पड़ना' मुहावरे का अर्थ है: **[1]**

(क) छत से गिरना

(ख) अचानक संकट में पड़ना

(ग) ऊँचाई से गिरना

(घ) चोट लगना

प्रश्न 12. 'हाथ धोकर पीछे पड़ना' मुहावरे का अर्थ है: **[1]**

(क) हाथ धोना

(ख) पीछा करना

(ग) मारने-पीटने के लिए तैयार होना

(घ) साफ-सफाई करना

MATH LOVE INSTITUTE
© 2025 - CONFIDENTIAL

प्रश्न 13. 'आगमन' का विलोम शब्द है: **[1]**

(क) प्रस्थान

(ख) गमन

(ग) आना

(घ) जाना

प्रश्न 14. 'स्वतंत्र' का विलोम शब्द है: **[1]**

(क) आजाद

(ख) परतंत्र

(ग) मुक्त

(घ) स्वाधीन

प्रश्न 15. 'जो खाने योग्य हो' के लिए एक शब्द है: **[1]**

(क) खाद्य

(ख) भोजन

(ग) खाना

(घ) आहार

प्रश्न 16. 'जिसे जीता न जा सके' के लिए एक शब्द है: **[1]**

(क) अजेय

(ख) विजेता

(ग) पराजित

(घ) जयी

प्रश्न 17. 'हाथी' का पर्यायवाची नहीं है: **[1]**

(क) गज

(ख) कुंजर

(ग) करी

(घ) मृग

प्रश्न 18. 'वृक्ष' का पर्यायवाची है: **[1]**

(क) पेड़

(ख) तरु

(ग) पादप

(घ) उपरोक्त सभी

MATH LOVE INSTITUTE
© 2025 -
CONFIDENTIAL

प्रश्न 19. संधि का विपरीत क्या कहलाता है? **[1]**

(क) संधि विच्छेद

(ख) समास

(ग) विग्रह

(घ) संयोजन

प्रश्न 20. 'महा + आत्मा' की संधि है: **[1]**

(क) महात्मा

(ख) महातमा

(ग) महाआत्मा

(घ) महत्मा

खंड ख - अति लघु उत्तरीय प्रश्न (2 × 6 = 12 अंक)

प्रश्न 21. राधा की मृत्यु के बाद नीलकंठ का व्यवहार कैसा हो गया? (दो बिंदु) **[2]**

प्रश्न 22. वीर कुँवर सिंह को अंग्रेजों से लड़ने की प्रेरणा क्यों मिली? **[2]**

प्रश्न 23. धनराज पिल्लै का स्वभाव तुनकमिज़ाज क्यों हो गया था? **[2]**

प्रश्न 24. 'भोर और बरखा' कविता में प्रकृति के किन-किन रूपों का वर्णन है? **[2]**

अथवा

'एक तिनका' कविता हमें क्या संदेश देती है?

प्रश्न 25. कर्म कारक और संप्रदान कारक में अंतर उदाहरण सहित लिखिए। **[2]**

प्रश्न 26. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[2]**

(क) माता (ख) सूर्य (ग) चंद्रमा (घ) नदी

खंड ग - लघु उत्तरीय प्रश्न (3 × 6 = 18 अंक)

MATH LOVE INSTITUTE © CONFIDENTIAL

प्रश्न 27. अपठित गद्यांश: **[3]**

पुस्तकें मनुष्य की सच्ची मित्र होती हैं। वे हमें ज्ञान देती हैं, हमारा मनोरंजन करती हैं और कठिन समय में हमारा साथ देती हैं। पुस्तकों के माध्यम से हम महापुरुषों के विचारों को जान सकते हैं। पुस्तकें हमें अच्छे-बुरे में भेद करना सिखाती हैं। जो व्यक्ति पुस्तकें पढ़ता है, वह कभी अकेला नहीं होता। पुस्तकें हमारे जीवन को सार्थक बनाती हैं।

प्रश्न:

(क) पुस्तकें हमारे लिए क्या करती हैं? (1 अंक)

(ख) पुस्तकें पढ़ने वाला व्यक्ति कैसा होता है? (1 अंक)

(ग) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1 अंक)

प्रश्न 28. नीलकंठ की मृत्यु कैसे हुई? इससे महादेवी वर्मा को क्या सीख मिली? **[3]**

अथवा

महादेवी वर्मा ने नीलकंठ के माध्यम से प्राणियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता कैसे दिखाई?

प्रश्न 29. 'खान-पान की बदलती तस्वीर' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पारंपरिक भोजन और आधुनिक फास्ट फूड में क्या अंतर है? **[3]**

प्रश्न 30. धनराज पिल्लै को हॉकी में सफलता कैसे मिली? उनकी सफलता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है? **[3]**

प्रश्न 31. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[3]**

(क) आग बबूला होना

(ख) दाँतों तले उँगली दबाना

(ग) लोहे के चने चबाना

प्रश्न 32. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए: **[3]**

(क) आकर्षण (ख) निंदा (ग) जय (घ) मित्र (ङ) साहस (च) नम्र

अथवा

निम्नलिखित के लिए एक-एक शब्द लिखिए:

(क) जिसे वेद न जानता हो (ख) जो सुनने योग्य हो (ग) जिसका कोई आकार न हो (घ) जो कहने योग्य हो (ङ) जो मापा न जा सके (च) जहाँ पहुँचा न जा सके

MATH LOVE INSTITUTE © 2025 CONFIDENTIAL

खंड घ - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 × 3 = 15 अंक)

प्रश्न 33. 'नीलकंठ' पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। इस पाठ से हमें क्या शिक्षा मिलती है? **[5]**

अथवा

'एक तिनका' कविता की व्याख्या करते हुए इसका केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 34. 'संघर्ष के कारण मैं तुनकमिज़ाज हो गया: धनराज' - इस शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए धनराज पिल्लै के जीवन की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए। **[5]**

प्रश्न 35. कारक किसे कहते हैं? किन्हीं पाँच कारकों की परिभाषा चिह्न और उदाहरण सहित लिखिए। **[5]**

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए:

(क) आँखों का तारा (ख) कान भरना (ग) गले पड़ना (घ) टका सा जवाब देना (ङ) अंगूठा दिखाना (च) अपना हाथ जगन्नाथ

खंड ङ - लेखन कौशल (15 अंक)

प्रश्न 36. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए (लगभग 100-120 शब्दों में): **[5]**

(क) महँगाई की समस्या

(ख) मेरा प्रिय मित्र

(ग) समय का महत्व

प्रश्न 37. अपने छोटे भाई/बहन को नियमित रूप से अध्ययन करने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकें मंगवाने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

प्रश्न 38. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए (लगभग 150-200 शब्दों में): **[5]**

(क) विद्यार्थी जीवन

(ख) पर्यावरण संरक्षण

अथवा

दो मित्रों के बीच गर्मी की छुट्टियों में घूमने जाने की योजना पर संवाद लिखिए।

MATH LOVERS INSTITUTE © 2025 CONFIDENTIAL

✅ उत्तर कुंजी एवं विस्तृत हल (Complete Answer Key with Solutions)

खंड क - बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1. उत्तर: (ख) अपनी शक्ति और प्रसिद्धि पर

कवि को अपनी शक्ति, प्रसिद्धि और सामर्थ्य पर बहुत घमंड था। वे स्वयं को बहुत शक्तिशाली समझते थे।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 2. उत्तर: (ख) गेहूँ

पाठ में भारतीय खान-पान की विविधता का वर्णन करते हुए गेहूँ, चावल आदि का उल्लेख किया गया है।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 3. उत्तर: (क) बाजार से

महादेवी वर्मा ने नीलकंठ को बाजार से खरीदा था। वे नहीं चाहती थीं कि यह सुंदर मोर किसी के साथ बुरा व्यवहार सहे।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 4. उत्तर: (ख) कुत्तों के हमले से

राधा की मृत्यु कुत्तों के हमले से हुई थी। नीलकंठ उस समय राधा की रक्षा नहीं कर सका।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 5. उत्तर: (ग) कृष्ण की

मीराबाई कृष्ण की भक्त थीं। कविता में वे कृष्ण की प्रतीक्षा का वर्णन कर रही हैं।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 6. उत्तर: (ख) गंगा

वीर कुँवर सिंह ने अपना घायल हाथ तलवार से काटकर गंगा नदी में प्रवाहित कर दिया था।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 7. उत्तर: (ग) मजदूरी

धनराज पिल्लै की माँ परिवार चलाने के लिए मजदूरी का काम करती थीं।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 8. उत्तर: (क) आश्रम के खर्चे का

पाठ में महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम के खर्चों का विस्तृत हिसाब-किताब दिया गया है।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 9. उत्तर: (ख) भूतकाल

कर्ता कारक का चिह्न 'ने' केवल भूतकाल में प्रयोग होता है।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 10. उत्तर: (ग) अधिकरण कारक

यहाँ 'को' अधिकरण कारक (गंतव्य स्थान) का बोध करा रहा है।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 11. उत्तर: (ख) अचानक संकट में पड़ना

'छत से गिर पड़ना' मुहावरे का अर्थ है अचानक मुसीबत में पड़ जाना।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 12. उत्तर: (ग) मारने-पीटने के लिए तैयार होना

इस मुहावरे का अर्थ है किसी से झगड़ा करने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाना।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 13. उत्तर: (क) प्रस्थान

'आगमन' (आना) का विलोम 'प्रस्थान' (जाना) है।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 14. उत्तर: (ख) परतंत्र

'स्वतंत्र' (आजाद) का विलोम 'परतंत्र' (गुलाम) है।

> अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 15. उत्तर: (क) खाद्य

'जो खाने योग्य हो' के लिए एक शब्द 'खाद्य' है।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 16. उत्तर: (क) अजेय

'जिसे जीता न जा सके' के लिए एक शब्द 'अजेय' है।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 17. उत्तर: (घ) मृग

'मृग' हिरन का पर्यायवाची है, हाथी का नहीं। गज, कुंजर, करी हाथी के पर्यायवाची हैं।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 18. उत्तर: (घ) उपरोक्त सभी

पेड़, तरु और पादप तीनों वृक्ष के पर्यायवाची शब्द हैं।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 19. उत्तर: (क) संधि विच्छेद

संधि का विपरीत 'संधि विच्छेद' कहलाता है जिसमें संधि को तोड़ा जाता है।

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

प्रश्न 20. उत्तर: (क) महात्मा

'महा + आत्मा' की संधि 'महात्मा' होती है। (आ + आ = आ - दीर्घ संधि)

अंक योजना: सही उत्तर - 1 अंक

खंड ख - अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (2 अंक)

प्रश्न 21. उत्तर:

राधा की मृत्यु के बाद नीलकंठ का व्यवहार पूरी तरह बदल गया:

1. **उदास और चुप रहना:** नीलकंठ बहुत उदास रहने लगा। वह अकेला बैठा रहता था और किसी से बात नहीं करता था।

2. **खाना-पीना छोड़ना:** उसने खाना-पीना लगभग बंद कर दिया। वह कमजोर होता गया और अपनी देखभाल नहीं करता था।

> अंक योजना: दो व्यवहार परिवर्तन - प्रत्येक 1 अंक (कुल 2 अंक)

प्रश्न 22. उत्तर:

वीर कुँवर सिंह को अंग्रेजों से लड़ने की प्रेरणा उनकी देशभक्ति और स्वाभिमान से मिली। वे भारत की स्वतंत्रता चाहते थे। अंग्रेजों का अत्याचार और भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार उन्हें सहन नहीं हो रहा था। 1857 के विद्रोह के समय, यद्यपि उनकी उम्र 80 वर्ष थी, फिर भी उन्होंने देश की आजादी के लिए लड़ने का निश्चय किया। उनका मानना था कि अपने देश की रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है।

> अंक योजना: प्रेरणा के कारण - 1.5 अंक, विवरण - 0.5 अंक

प्रश्न 23. उत्तर:

धनराज पिल्लै का स्वभाव तुनकमिज़ाज (चिड़चिड़ा) हो गया था क्योंकि उन्हें जीवन में अनेक कठिनाइयों और संघर्षों का सामना करना पड़ा। गरीबी, अपमान, सुविधाओं का अभाव और लोगों का तिरस्कार सहना पड़ा। इन सभी परेशानियों ने उनके स्वभाव को प्रभावित किया। छोटी-छोटी बातों पर वे क्रोधित हो जाते थे। यह उनके जीवन के कठोर अनुभवों का परिणाम था।

> अंक योजना: कारण - 1.5 अंक, स्पष्टीकरण - 0.5 अंक

प्रश्न 24. उत्तर:

'भोर और बरखा' कविता में प्रकृति के दो मुख्य रूपों का वर्णन है:

1. **भोर (प्रातःकाल):** सुबह का समय, पक्षियों का चहचहाना, सूर्योदय का सुंदर दृश्य

2. **बरखा (वर्षा):** काले बादल, बिजली की चमक, वर्षा की बूँदें, हरियाली, मोरों का नृत्य

> अंक योजना: दो रूपों का वर्णन - प्रत्येक 1 अंक (कुल 2 अंक)

अथवा

'एक तिनका' कविता का संदेश:

1. अहंकार या घमंड नहीं करना चाहिए

2. छोटी से छोटी चीज भी महत्वपूर्ण हो सकती है, किसी को कमतर नहीं समझना चाहिए

प्रश्न 25. उत्तर:

कर्म कारक: जिस पर क्रिया का सीधा प्रभाव पड़े। चिह्न: को

उदाहरण: राम ने रावण को मारा। (रावण पर मारने की क्रिया का प्रभाव)

संप्रदान कारक: जिसके लिए या जिसे देने के लिए क्रिया हो। चिह्न: को, के लिए

उदाहरण: मैंने गरीबों को कपड़े दिए। (गरीबों के लिए दान - देना)

अंतर: कर्म में क्रिया का प्रभाव, संप्रदान में किसी को कुछ देना या किसी के लिए करना।

> अंक योजना: दोनों कारक (परिभाषा + उदाहरण + अंतर) - 2 अंक

प्रश्न 26. उत्तर:

पर्यायवाची शब्द:

(क) माता - जननी, माँ, अंबा, जनयित्री

(ख) सूर्य - रवि, दिनकर, भानु, दिवाकर

(ग) चंद्रमा - चाँद, शशि, इंदु, राकेश

(घ) नदी - सरिता, तटिनी, निर्झरिणी, प्रवाहिणी

> अंक योजना: 4 शब्दों के पर्यायवाची (प्रत्येक 0.5 अंक) - कुल 2 अंक

खंड ग - लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (3 अंक)

प्रश्न 27. उत्तर: (अपठित गद्यांश)

(क) **पुस्तकें हमारे लिए क्या करती हैं?**

पुस्तकें हमें ज्ञान देती हैं, हमारा मनोरंजन करती हैं और कठिन समय में हमारा साथ देती हैं। वे हमें अच्छे-बुरे में भेद करना सिखाती हैं।

> अंक योजना: 1 अंक

(ख) **पुस्तकें पढ़ने वाला व्यक्ति कैसा होता है?**

पुस्तकें पढ़ने वाला व्यक्ति कभी अकेला नहीं होता। उसका जीवन सार्थक होता है और वह ज्ञानी होता है।

> अंक योजना: 1 अंक

(ग) **शीर्षक:** पुस्तकें - हमारी सच्ची मित्र / पुस्तकों का महत्व / पुस्तकें और हम

> अंक योजना: 1 अंक

प्रश्न 28. उत्तर:

नीलकंठ की मृत्यु:

राधा की मृत्यु के बाद नीलकंठ बहुत उदास और कमजोर हो गया था। वह अकेला रहता था और अपनी रक्षा करने में असमर्थ था। एक दिन कुत्तों ने नीलकंठ पर हमला कर दिया। राधा के न होने से नीलकंठ अकेला था और वह अपनी रक्षा नहीं कर सका। कुत्तों ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया। घायल अवस्था में और राधा के वियोग में नीलकंठ की मृत्यु हो गई।

महादेवी वर्मा को सीख:

इस घटना से लेखिका को यह सीख मिली कि प्रेम और साहचर्य जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रियजनों के बिना जीवन अधूरा हो जाता है। सभी प्राणियों में गहरी भावनाएँ होती हैं और उन्हें भी दुःख-सुख की अनुभूति होती है। हमें सभी जीवों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

> अंक योजना: मृत्यु का वर्णन - 1.5 अंक, सीख - 1.5 अंक

अथवा

महादेवी वर्मा ने नीलकंठ को बाजार से खरीदकर पाला। उन्होंने उसकी माँ की तरह देखभाल की। उन्होंने नीलकंठ की भावनाओं को समझा, उसके प्रेम को महसूस किया। राधा की मृत्यु के बाद नीलकंठ के दुःख को लेखिका ने गहराई से अनुभव किया। इस प्रकार उन्होंने प्राणियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई।

प्रश्न 29. उत्तर:

पारंपरिक भोजन और फास्ट फूड में अंतर:

पारंपरिक भोजन:

1. घर पर ताजा बनाया जाता है

2. पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक होता है

3. धीरे-धीरे और प्रेम से बनाया जाता है

4. स्थानीय सामग्री और मसालों का उपयोग

फास्ट फूड:

1. बाहर से खरीदा जाता है या तैयार मिलता है

2. कम पौष्टिक, अधिक तेल और मसाले

3. जल्दी तैयार हो जाता है

4. स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है

> अंक योजना: पारंपरिक भोजन - 1.5 अंक, फास्ट फूड - 1.5 अंक

प्रश्न 30. उत्तर:

धनराज की सफलता:

धनराज पिल्लै को हॉकी में सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प से मिली। गरीबी और अभावों के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। वे रोज घंटों अभ्यास करते थे। उनके भाई ने उन्हें प्रेरणा दी। सभी कठिनाइयों को पार करते हुए वे भारतीय हॉकी टीम के कप्तान बने और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सफल खिलाड़ी बने।

प्रेरणा:

धनराज की सफलता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, मेहनत और समर्पण से सफलता अवश्य मिलती है। गरीबी या अभाव बाधा नहीं बन सकते यदि हममें दृढ़ इच्छाशक्ति हो। संघर्ष ही जीवन है और उससे घबराना नहीं चाहिए।

> अंक योजना: सफलता का मार्ग - 1.5 अंक, प्रेरणा - 1.5 अंक

प्रश्न 31. उत्तर:

(क) **आग बबूला होना** - अर्थ: बहुत क्रोधित होना

वाक्य: अपमान सुनकर वह आग बबूला हो गया।

(ख) **दाँतों तले उँगली दबाना** - अर्थ: आश्चर्यचकित होना

वाक्य: उसके करतब देखकर सभी ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

(ग) **लोहे के चने चबाना** - अर्थ: बहुत कठिन परिश्रम करना

वाक्य: परीक्षा में प्रथम आने के लिए उसे लोहे के चने चबाने पड़े।

> अंक योजना: प्रत्येक मुहावरा (अर्थ + वाक्य) - 1 अंक (कुल 3 अंक)

प्रश्न 32. उत्तर:

विलोम शब्द:

(क) आकर्षण - विकर्षण

(ख) निंदा - प्रशंसा/स्तुति

(ग) जय - पराजय

(घ) मित्र - शत्रु

(ङ) साहस - कायरता

(च) नम्र - अहंकारी/घमंडी

> अंक योजना: 6 सही विलोम - 3 अंक (प्रत्येक 0.5 अंक)

अथवा

एक शब्द में उत्तर:

(क) जिसे वेद न जानता हो - अवैदिक

(ख) जो सुनने योग्य हो - श्रव्य

(ग) जिसका कोई आकार न हो - निराकार

(घ) जो कहने योग्य हो - कथनीय

(ङ) जो मापा न जा सके - अमाप

(च) जहाँ पहुँचा न जा सके - अगम्य/दुर्गम

खंड घ - दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर (5 अंक)

प्रश्न 33. उत्तर:

'नीलकंठ' पाठ का सारांश

महादेवी वर्मा ने बाजार से एक सुंदर नीले रंग का मोर खरीदा। उन्होंने उसका नाम नीलकंठ रखा। नीलकंठ बहुत सुंदर और मिलनसार था। बाद में उन्होंने एक मोरनी भी खरीदी जिसका नाम राधा रखा। नीलकंठ और राधा बहुत प्रेम से रहते थे। वे एक-दूसरे के बिना नहीं रह सकते थे।

नीलकंठ बहुत साहसी था। वह अन्य पक्षियों से प्रेम करता था लेकिन कभी-कभी लड़ाई भी कर लेता था। राधा नीलकंठ की जीवनसाथी थी। दोनों की जोड़ी बहुत सुंदर लगती थी। एक दिन कुत्तों ने राधा पर हमला कर दिया और राधा की मृत्यु हो गई।

राधा की मृत्यु के बाद नीलकंठ पूरी तरह टूट गया। वह उदास रहने लगा और खाना-पीना छोड़ दिया। कुछ समय बाद कुत्तों ने नीलकंठ पर भी हमला कर दिया और नीलकंठ भी मर गया।

शिक्षा:

1. सभी प्राणियों में भावनाएँ होती हैं

2. प्रेम और साहचर्य जीवन में बहुत महत्वपूर्ण हैं

3. हमें सभी प्राणियों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए

4. प्रियजनों के बिना जीवन अधूरा हो जाता है

> अंक योजना: सारांश - 3 अंक, शिक्षा - 1.5 अंक, प्रस्तुति - 0.5 अंक

अथवा

'एक तिनका' कविता की व्याख्या और केंद्रीय भाव

कवि अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की यह कविता अहंकार और विनम्रता पर आधारित है। कविता में कवि एक दिन गर्व से भरे हुए चल रहे थे। उन्हें अपनी शक्ति, सामर्थ्य और

प्रसिद्धि पर बहुत घमंड था। उनका सिर अहंकार से ऊँचा था। वे स्वयं को बहुत महान समझ रहे थे।

तभी अचानक हवा में उड़ता हुआ एक छोटा सा तिनका उनकी आँख में आ गिरा। इस तिनके ने कवि को बेहाल कर दिया। आँख में बहुत दर्द होने लगा। कवि परेशान हो गए और तिनके को निकालने का प्रयास करने लगे। वे रो पड़े और तड़पने लगे। इतना छोटा तिनका इतने शक्तिशाली व्यक्ति को व्याकुल कर रहा था।

केंद्रीय भाव:

इस घटना से कवि को गहरा एहसास हुआ कि उन्हें अहंकार नहीं करना चाहिए। छोटी से छोटी चीज भी बड़े से बड़े व्यक्ति को परेशान कर सकती है। सभी को विनम्र रहना चाहिए और किसी को भी कमतर नहीं समझना चाहिए। एक छोटे से तिनके ने कवि के अहंकार को तोड़ दिया और उन्हें विनम्रता का पाठ पढ़ाया। यही कविता का मुख्य संदेश है - घमंड नहीं करना चाहिए।

प्रश्न 34. उत्तर:

धनराज पिल्लै: शीर्षक की सार्थकता और जीवन संघर्ष

शीर्षक की सार्थकता:

यह शीर्षक पूर्णतः सार्थक है क्योंकि धनराज पिल्लै के जीवन में आए संघर्षों ने ही उनके स्वभाव को तुनकमिज़ाज (चिड़चिड़ा) बना दिया था। उनकी सफलता के पीछे अनेक कठिनाइयाँ थीं जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को प्रभावित किया।

जीवन की कठिनाइयाँ:

1. **गरीबी:** धनराज का जन्म बहुत गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता की मृत्यु के बाद स्थिति और खराब हो गई। घर में खाने के लिए भी पर्याप्त भोजन नहीं होता था। माँ मजदूरी करके परिवार चलाती थीं।

2. **सुविधाओं का अभाव:** हॉकी खेलने के लिए उन्हें उचित उपकरण नहीं मिलते थे। अच्छी हॉकी स्टिक, जूते और अन्य सामान खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। उन्हें टूटे-फूटे उपकरणों से ही अभ्यास करना पड़ता था।

3. अपमान: गरीब होने के कारण लोग उनका मजाक उड़ाते थे। उन्हें अपमानित किया जाता था। अमीर बच्चे उन्हें हीन भावना से देखते थे। यह सब सहना बहुत कठिन था।

4. कठोर परिश्रम: इन सभी कठिनाइयों के बावजूद धनराज ने हार नहीं मानी। वे सुबह-शाम घंटों अभ्यास करते थे। वे दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते रहे।

5. भावनात्मक संघर्ष: संघर्षों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला। छोटी-छोटी बातों पर वे चिड़चिड़ा जाते थे। यह उनके कठिन जीवन का परिणाम था।

इस प्रकार 'संघर्ष के कारण मैं तुनकमिज़ाज हो गया' यह शीर्षक धनराज के जीवन संघर्ष को सटीक रूप से दर्शाता है।

> अंक योजना: शीर्षक की सार्थकता - 1 अंक, कठिनाइयों का वर्णन - 3.5 अंक, प्रस्तुति - 0.5 अंक

प्रश्न 35. उत्तर:

कारक की परिभाषा: संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के अन्य शब्दों (विशेषकर क्रिया) के साथ संबंध बताने वाले चिह्न या परसर्ग को कारक कहते हैं।

पाँच कारकों की परिभाषा:

1. कर्ता कारक:

क्रिया को करने वाले को कर्ता कारक कहते हैं।

चिह्न: ने (भूतकाल में)

उदाहरण: राम ने पुस्तक पढ़ी। लड़की ने गाना गाया।

2. कर्म कारक:

जिस पर क्रिया का फल या प्रभाव पड़े, उसे कर्म कारक कहते हैं।

चिह्न: को

उदाहरण: माँ ने बच्चे को दूध पिलाया। राम ने रावण को मारा।

3. करण कारक:

जिस साधन या यंत्र से क्रिया संपन्न हो, उसे करण कारक कहते हैं।

चिह्न: से, के द्वारा

उदाहरण: मैं पेन से लिखता हूँ। वह चाकू से सब्जी काटती है।

4. संबंध कारक:

जो संज्ञा या सर्वनाम का संबंध अन्य शब्दों से बताए, उसे संबंध कारक कहते हैं।

चिह्न: का, की, के, रा, री, रे

उदाहरण: यह राम की पुस्तक है। वह मेरा घर है।

5. अधिकरण कारक:

जो क्रिया के आधार या स्थान को बताए, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

चिह्न: में, पर

उदाहरण: पुस्तक मेज पर है। पानी गिलास में है।

> अंक योजना: परिभाषा - 0.5 अंक, 5 कारक (प्रत्येक परिभाषा + चिह्न + उदाहरण) - 4.5 अंक

अथवा

मुहावरों का अर्थ और वाक्य प्रयोग:

(क) **आँखों का तारा** - अर्थ: बहुत प्यारा, अत्यंत प्रिय

वाक्य: वह अपने माता-पिता की आँखों का तारा है।

(ख) **कान भरना** - अर्थ: चुगली करना, भड़काना

वाक्य: किसी ने राजा के कान भर दिए और उसने मंत्री को हटा दिया।

(ग) **गले पड़ना** - अर्थ: झंझट में फँसना

वाक्य: यह काम तो गले पड़ गया, अब परेशानी ही परेशानी है।

(घ) **टका सा जवाब देना** - अर्थ: साफ मना कर देना

वाक्य: मैंने उससे पैसे माँगे तो उसने टका सा जवाब दे दिया।

(ङ) **अंगूठा दिखाना** - अर्थ: इनकार करना, मना कर देना

वाक्य: जब मुझे मदद की जरूरत थी, तो सबने अंगूठा दिखा दिया।

(च) **अपना हाथ जगन्नाथ** - अर्थ: अपना काम स्वयं करना सबसे अच्छा

वाक्य: दूसरों से काम कराने से अच्छा है, अपना हाथ जगन्नाथ।

खंड ङ - लेखन कौशल के उत्तर (15 अंक)

प्रश्न 36. उत्तर: (क) महँगाई की समस्या

महँगाई की समस्या

आज के युग में महँगाई एक गंभीर समस्या बन गई है। दिन-प्रतिदिन वस्तुओं के दाम बढ़ते जा रहे हैं। रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताएँ भी महंगी होती जा रही हैं। आम आदमी की क्रय शक्ति कम होती जा रही है।

महँगाई के कई कारण हैं। जनसंख्या वृद्धि, उत्पादन में कमी, कालाबाजारी, जमाखोरी और भ्रष्टाचार मुख्य कारण हैं। सरकार महँगाई रोकने के लिए प्रयास कर रही है, लेकिन समस्या बढ़ती ही जा रही है।

महँगाई से गरीब वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होता है। उन्हें दो वक्त की रोटी भी मुश्किल से मिल पाती है। महँगाई को रोकने के लिए उत्पादन बढ़ाना, कालाबाजारी पर रोक लगाना और भ्रष्टाचार मिटाना आवश्यक है। सरकार और जनता को मिलकर इस समस्या का समाधान खोजना चाहिए।

> अंक योजना: भूमिका - 1 अंक, समस्या विवरण - 2 अंक, कारण व समाधान - 1.5 अंक, भाषा - 0.5 अंक

(ग) समय का महत्व

समय का महत्व

समय अमूल्य है। एक बार बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। समय के सदुपयोग में ही जीवन की सफलता छिपी है। जो व्यक्ति समय का सही उपयोग करता है, वह जीवन में सफल होता है।

समय बर्बाद करना सबसे बड़ी मूर्खता है। विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व और भी बढ़ जाता है। जो विद्यार्थी समय पर पढ़ाई करते हैं, वे परीक्षा में सफल होते हैं। समय का सदुपयोग करने से जीवन में अनुशासन आता है। हमें प्रत्येक कार्य समय पर करना चाहिए। समय ही धन है, इसलिए हमें इसका सम्मान करना चाहिए।

प्रश्न 37. उत्तर:

परीक्षा भवन,

ABC विद्यालय,

रायपुर।

दिनांक: 31 जनवरी 2026

प्रिय रोहन,

शुभाशीष। आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगे।

मुझे यह जानकर दुःख हुआ कि तुम नियमित रूप से अध्ययन नहीं कर रहे हो। तुम्हें पता है कि विद्यार्थी जीवन में पढ़ाई सबसे महत्वपूर्ण है। यही समय है जब तुम अपना भविष्य बना सकते हो।

मैं तुम्हें सलाह देना चाहता हूँ कि प्रतिदिन नियमित रूप से कम से कम 3-4 घंटे अवश्य पढ़ो। एक समय-सारणी बनाओ और उसका पालन करो। टीवी और मोबाइल का कम उपयोग करो। अध्यापकों से संदेह पूछो और होमवर्क नियमित रूप से करो।

याद रखो, आज की मेहनत कल की सफलता बनती है। माता-पिता का मन दुखाना ठीक नहीं। मुझे विश्वास है कि तुम मेरी बात समझोगे और नियमित पढ़ाई करोगे।

तुम्हारा शुभचिंतक,

मोहित

अंक योजना: प्रारूप - 1 अंक, सलाह व सुझाव - 2.5 अंक, भाषा - 1 अंक, भावना - 0.5 अंक

अथवा

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाचार्य महोदय,

सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय,

इंदौर।

विषय: पुस्तकालय में हिंदी की पुस्तकें मंगवाने के लिए प्रार्थना पत्र।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय की कक्षा 7 'स' का छात्र/छात्रा हूँ। हमारे विद्यालय का पुस्तकालय बहुत अच्छा है, लेकिन उसमें हिंदी की पुस्तकों की संख्या कम है।

हम हिंदी साहित्य, कहानी संग्रह, उपन्यास और सामान्य ज्ञान की पुस्तकें पढ़ना चाहते हैं। इससे हमारी हिंदी भाषा में सुधार होगा और साहित्य के प्रति रुचि बढ़ेगी। कई छात्र पुस्तकें खरीदने में असमर्थ हैं, इसलिए पुस्तकालय में पुस्तकें होना आवश्यक है।

अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि पुस्तकालय के लिए हिंदी की अच्छी पुस्तकें मंगवाने की कृपा करें। इससे सभी छात्रों को लाभ होगा।

आपका आज्ञाकारी शिष्य/शिष्या,

नाम: _____

कक्षा: 7 'स'

दिनांक: 31 जनवरी 2026

प्रश्न 38. उत्तर: (क) विद्यार्थी जीवन

विद्यार्थी जीवन

विद्यार्थी जीवन मनुष्य के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण अवस्था है। यह जीवन की नींव है जिस पर पूरे जीवन की इमारत खड़ी होती है। इस समय में जो ज्ञान और संस्कार प्राप्त होते हैं, वे जीवन भर काम आते हैं।

विद्यार्थी का पहला कर्तव्य है पढ़ाई करना। उसे नियमित रूप से अध्ययन करना चाहिए और अपने अध्यापकों का आदर करना चाहिए। समय का सदुपयोग विद्यार्थी जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है। व्यर्थ की बातों में समय नष्ट नहीं करना चाहिए।

विद्यार्थी को केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार और चरित्र का निर्माण भी करना चाहिए। खेलकूद, योग और व्यायाम से शरीर स्वस्थ रहता है। अनुशासन, सत्य बोलना, बड़ों का सम्मान करना और परिश्रम करना - ये सब गुण विद्यार्थी में होने चाहिए।

विद्यार्थी को बुरी संगति से बचना चाहिए। टीवी, मोबाइल और इंटरनेट का संतुलित उपयोग करना चाहिए। सादा जीवन उच्च विचार का पालन करना चाहिए। विद्यार्थी काल में की गई मेहनत जीवन में सफलता दिलाती है। इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को इस समय का सदुपयोग करना चाहिए और एक आदर्श नागरिक बनने का प्रयास करना चाहिए।

> अंक योजना: भूमिका - 1 अंक, कर्तव्य व गुण - 2.5 अंक, उपसंहार - 1 अंक, भाषा - 0.5 अंक

अथवा - संवाद:

गर्मी की छुट्टियों में घूमने की योजना

रोहन: अरे विक्रम! गर्मी की छुट्टियाँ आने वाली हैं। क्या तुमने कोई योजना बनाई?

विक्रम: हाँ यार, मैं सोच रहा हूँ कि कहीं घूमने चलें। तुम्हारा क्या विचार है?

रोहन: यह तो बहुत अच्छा विचार है! हम कहाँ जा सकते हैं?

विक्रम: मैं तो पहाड़ों पर जाना चाहता हूँ। शिमला या मनाली कैसा रहेगा?

रोहन: शिमला तो बहुत अच्छी जगह है। लेकिन वहाँ बहुत भीड़ होगी। क्यों न हम कोई शांत जगह चुनें?

विक्रम: तुम ठीक कह रहे हो। तो फिर हम नैनीताल चलें? वहाँ झील भी है और पहाड़ भी।

रोहन: बहुत बढ़िया! नैनीताल में हम नौका विहार भी कर सकेंगे। कितने दिन रुकेंगे?

विक्रम: मेरे विचार से 5-6 दिन काफी रहेंगे। हम आसपास की जगहें भी देख सकेंगे।

रोहन: ठीक है। लेकिन खर्चा कितना आएगा? हमें बजट भी बनाना होगा।

विक्रम: मैंने इंटरनेट पर देखा था। लगभग 15-20 हजार में काम हो जाएगा। हम ट्रेन से जाएँगे और सस्ते होटल में रुकेंगे।

रोहन: बहुत अच्छा! चलो अपने माता-पिता से भी बात करते हैं। उनकी अनुमति लेनी होगी।

विक्रम: बिल्कुल। मैं आज ही अपने पापा से बात करूँगा। तुम भी अपने घर पर बात करो।

रोहन: ठीक है दोस्त। यह छुट्टी बहुत मजेदार बीतेगी!

MATH LOVE INSTITUTE

+91 7869553517 | www.mathlove.in

Raipur, Chhattisgarh | Indore, Madhya Pradesh

© 2025 Math Love Institute. All Rights Reserved.

विद्या धन सर्वश्रेष्ठ धन है | Knowledge is the Supreme Wealth

MATH LOVE INSTITUTE © 2025 - CONFIDENTIAL